

NCERT SOLUTIONS FOR CLASS 6TH SANSKRIT: **CHAPTER 11**

LearnCBSE.in

पृष्पोत्सव:

-(फूलों का उत्सव) (सप्तमी-विभक्तिः)

पाठ का परिचय (Introduction of the Lesson)

इस पाठ में पुष्यों के उत्सव 'फूल वालों की सैर' का वर्णन आया है। यह उत्सव दिल्ली में अक्टूबर के महीने में मनाया जाता है। पुष्पों से बने पंखे इस उत्सव का मुख्य आकर्षण हैं। यह उत्सव गत दो सौ वर्ष से चलता आ रहा है।

इस पाठ में सप्तमी विभिन्त के शब्द रूप का प्रयोग आया है। सप्तमी का प्रयोग 'में' (in) तथा 'पर' (on) के अर्थ में होता है। यथा-स्कूल में (in the school) = विद्यालये, वृक्ष पर (on the tree) = वृक्षे इत्यादि।

पाठ - शब्दार्थ एवं सरलार्थ

(क) उत्सवप्रियः भारतदेशः। अत्र कुत्रचित् शस्योत्सवः भवति, कुत्रचित् पश्रृत्सवः भवति, कुत्रचित् धार्मिकोत्सवः भवति कुत्रचित् च यानोत्सवः। एतेषु एव अस्ति अन्यतमः पुष्पोत्सवः इति। अयं 'फूलवालों की सैर' इति नाम्ना प्रसिद्धः अस्ति।

शब्दार्थाः (Word Meanings) : उत्सवप्रियः—उत्सव प्रेमी (lover of festival, festive occasion), कुत्रचित्-कहीं पर (somewhere), शस्योत्सवः (शस्यः + उत्सवः)-फसलों का उत्सव (festival of crops), पश्रृत्सवः (पश्+उत्सवः)-पशुओं का उत्सव (festival of animals), यानोत्सव (यान + उत्सव:)-गाड़ियों का उत्सव (festival of vehicles), एतेषु-इनमें (among these), अन्यतम:-अनेक में एक (one among many), नाम्ना-नाम से (by name)|

सरलार्थ :

भारत उत्सव प्रेमी देश है। यहाँ कहीं पर (फसलों) का उत्सव होता है, कहीं पर पशुओं का उत्सव होता हैं। कहीं पर धार्मिक उत्सव होता है तो कहीं पर गाड़ियों का उत्सव होता है। इनमें से एक है—पुष्पोत्सव (फूलों का उत्सव)। यह 'फूल वालों की सैर' इस नाम से प्रसिद्ध है।

English Translation:

India is a country that loves festivals. Somewhere there is the festival of farmers, somewhere there is the festival of animals. Somewhere there are religious festivals and somewhere there is the festival of vehicles. Among these there is one festival of flowers. This is famous by the name of 'Phool Walon Ki Sair'.

(ख) वेहल्याः मेहरौलीक्षेत्रे ऑक्टोबर्गाके अस्य अणिजिनं प्रावित। अस्मिन् अवसरे तत्र बहुविधानि पुष्पाणि दृश्यने। परं प्रमुखम् आकर्षणं तु अस्ति पुष्पनिर्मितानि व्यजनानि। जनाः एतानि पुष्पव्यजनानि योगमायामंदिरे बिख्तयारकाकी इत्यस्य समाधिस्थले च अर्पयन्ति। केचन पाटलपुष्णैः निर्मितानि, केचन कर्णिकारपुष्णैः अन्ये जपाकुसुमैः, अपरे मिल्लकापुष्पैः, इतरे च गेन्दापुष्पैः निर्मितानि व्यजनानि नयन्ति।

शब्दार्थाः (Word Meanings): बेहल्याः -देहली के (of Delhi), अस्य-इसका (of this), अस्मिन् अवसरे-इस अवसर पर (on this occasion), वृश्यन्ते-दिखाई देते हैं (are seen), पुष्पनिर्मितानि-फूलों से बने (made with flower), व्यवजानि-पंखे (fans), समाधिस्थले-समाधि/दरगाह पर (at the place of burial), अर्पयनि-अर्पण करते हैं (offer), पाटलपुष्पै:-गुलाब के फूलों से (with roses, flowers), क्रिंगिकारपुष्पै:-कने के फूलों से (with roleander flowers), जपानुसुमै:-गुडहल के फूलों से (with china roses), पिल्लकापुष्पै:-चमेली के फूलों से (with jasmin flowers), इतरे/अतरे/अन्ये-दूसरे (others), नयनित-ले जाते हैं (take carry)।

सरलार्थ :

देहली के मेहरौली क्षेत्र में अक्टूबर के महीने में इसका आयोजन होता है। इस अवसर पर अनेक प्रकार के फूल दिखाई देते हैं। किंतु मुख्य आकर्षण होता है-'फूलों से बने पंखे।' लोग इन फूलों के पंखों को योग माया के मंदिर में बंधितयार काकी की समाधि पर ऑपित करते हैं। कुछ मुलाब के फूलों से बने होते हैं, कुछ करनेर के फूलों से, कुछ जबा फूलों से, कुछ चमेली के फूलों से दूसरे गेंदा फूलों से बने पंखें लाते हैं।

English Translation:

In Delhi's Mehrauli region in the month of October, this (festival) is organised. Various types of flowers are seen on this occasion. But the chief attraction is the fans made of flowers. People bring these flower fans and offer it at the burial of Bakhtiar Kaki in Yoga Maya temple. Some people bring fans made with roses, some with oleander flowers, other with china roses, yet others with jasmine flowers.

अयम् उत्सवः विवसत्रयं यावत् प्रचलित। एतेषु विवसेषु पतङ्गानाम् उड्डयनम् विविधाः क्रीडाः मल्लयुव्धं चापि प्रचलित।

विगतेभ्यः द्विशतवर्षेभ्यः पुष्पोत्सवः जनान् आनन्वयति। मध्ये इयं परम्परा स्थगिता आसीत। परं स्वतंत्रताप्राप्तेः पश्चात् इयं मनोहरिणी परम्परा पुनः समारब्धा। पुष्पोत्सवः अद्यापि सोल्लासं सोत्साहसं च प्रचलति।

LearnCBSE.in yenicua: **

शब्दार्थाः (Word Meanings): विवसम्बद्धीनि कि. ति (for three days), पत्रभूताम् उद्दुड्यनम्-पत्रंगं को उडा़ना (flying the kites), मल्लयुद्धम्-कुश्ती (wrestling), प्रचलित-चलता रहता है (go on), विगतेभ्यः द्विशवर्षभ्यः-गत से साल से (for the last 200 years), आनंत्यित-आर्नीदित करता है (gives happiness), समारव्या-शुरु हो गई (was started), सोल्लासम्-उल्लासपूर्वक (with excitement)।

सरलार्थ :

यह उत्सव तीन दिन तक चलता रहता है। इन दिनों में पतंगों का उड़ाना, विविध क्रीड़ाएँ और कुश्ती भी चलती है।

गत दो सौ साल से पुष्पोत्सव लोगों को आनंदित कर रहा है। बीच में यह परंपरा स्थांगत हो गई थी। किंतु रुजतंत्रता प्राप्ति के बाद यह मनोहारी प्रथा पुन: शुरू हो गई है। पुष्पोत्सव आज भी उत्साहपूर्वक और उल्लासपूर्वक चलता है।

English Translation:

This festival goes on for three days. During these days flying of kites, various sports and wrestling too go on.

For the last two hundred years this festival has entertained people. In the meantime this tradition was abolished. But after independence this beautiful tradition has started once again. Even today this festival goes on with joy and excitement. अवधेयम

समयवाचक व स्थानवाचक शब्दों में सप्तमी विभक्ति का प्रयोग होता है।

दिवसे दिवसयो: दिवसेषु अवसरे अवसरयो: अवसरेषु मंदिरे मंदिरयो: मंदिरेषु मासे मासयो: मासेषु

-• अभ्यासः (Exercise) •-

प्रश्न: 1. वचनानुसारं रिक्तस्थानानि पूरवत- (वचनानुसार रिक्त स्थान भरिए- Fill in the blanks according to number.)

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्	
यथा-	मन्दिरे	मन्दिरयो:	मन्दिरेषु	
	असवरे	************************		
	***************************************	स्थलयो:	***************************************	
	**************	***************************************	दिवसेष्	
	क्षेत्रे			
	************************	व्यजनयो:		
		······································	पष्येष	
् संस्कृत	1-VI	LearnCBSE.in		

उत्तरम्-		अवस्रिक्टिया	rnCBS			
	स्थले		•••	स्थलेषु		
	दिवसे	दिवसयो: क्षेत्रयो:		क्षेत्रेषु		
	व्यजने	क्षत्रनाः	•••	व्यजनेषु		
	पुष्पे	पुष्पयो:				
प्रथम∗ 2 स्को	उनकेष प्रतन्त्रणहरेष उपयक्त	क्षिभवितं योज	तियत्वा रिक्तर	स्थानानि पूरयत- (कोष्ठकों में		
				Fill in the blanks by using		
the	appropriate inflexion	in the word	s given in b	orackets.)		
(क) बहव: उ	त्सवाः भवन्ति।	(भारतम्/भारते	t)		
(ख						
(ग				दर्र)		
(ঘ —						
(জ (ভ) छात्राः ''''' प्रय) '''''' पुष्पाणि '			/प्रयागशालायाः)		
				ङ) प्रयोगशालायाम् (च) उद्याने		
				त – (निम्नलिखित पदों के आध		
				ences on the basis of words		
	en below.)					
		नेषु	तरन्ति			
		क्षिषु	नृत्यन्ति			
		ाले ,	उत्पतन्ति			
•		गकाशे	गर्जन्ति			
		द्याने	कूर्दन्ति			
	i) वानराः वृक्षेषु कूर्दन्ति। i) सिंहाः वनेषु गर्जन्ति।					
	मयूरा: उद्याने नृत्यन्ति।					
	v) मत्स्याः जले तरन्ति।					
(v) खगा: आकाशे उत्पन्ति।					
	नानाम् उत्तराणि लिखत- (लिखए- Ar	nswer the questions.)		
) जनाः पुष्पव्यजनानि कुत्रः		,			
(ख) पुष्पोत्सवस्य आयोजनं कद	Г भवात? 	rnCBSF	E.in		
				—•••• पुष्पोत्सवः 🗯		
(π)	अस्माकं भारतदेश: कीदृश:	antiral CO	rn CRSI	= in		
	पुष्पोत्सवः केन नाम्ना प्रसि		HODOL	111		
	मेहरौलीक्षेत्रे कस्याः मन्दिरं		ालञ्च अधिन?			
				ति अस्य समाधिस्थले अर्पयन्ति।		
	पुष्पोत्सवस्य आयोजनं ऑक					
(η)	अस्माकं भारतदेश: उत्सर्वा					
(घ)	पुष्पोत्सवः 'फूल वालों की					
(ভু)						
प्रश्नः 5. कोष्ट	केषु दत्तेषु शब्बेषु उचितां	विभक्तिं प्रयुग	य वाक्यानि	पूरवत- (कोष्ठक में दिए गए		
				te the sentences by using		
	opriate case form in the	_	n in bracket	s.)		
यथा- (क)	- सरोवरे मीना: सन्ति। (सरो	वर) मन्ता (तडाग)				
(জ) (ख)		तः (शिक्यि)				
	(ग) यानानि """" धावन्ति। (राजमार्ग)					
(ঘ)	रत्नानि सन्ति	। (धरा)				
	बाला: क्रीडा					
उत्तरम् (क)						
प्रश्नः ६, मञ्जूष	गतः पदानि चित्वा रिक्तस्थ	ानानि पूरयत-	- (चुनकर रिव	त स्थान मरिए- Fill in the		
blan	ks by picking out words	from the bo	x.)			
पुष्पेषु	गङ्गायाम् विद्यालये	वृक्षयो:	उद्यानेषु			
(क)						
(理)		l				
(ग) (घ)	नौकाः सन्ति। भ्रमराः गुञ्जी	नेत				
(ব) (ক্ট)	भूमरा: गुज्जा फलानि पक्व	ः। ानि सन्ति।				
2 101	विद्यालये, (ख) उद्यानेषु, ((घ) पुष्पेषु,(ङ) वृक्षयोः।		
100 W (2	-	9-9	**********	-		
अतिरिक्त-अभ्यासः						
(1) अधोदत्तं गद्यांश पठत प्रश्नान् च उत्तरतः। (निम्नलिखित गद्यांश पिंहए और प्रश्नों के उत्तर						
दीवि	न्। Read the extract giv			<u> </u>		
Learn CBSE.in						

	एकपवेन उत्तरत— (i) पुष्पोत्सवस्य आयोजनं कदा भवति?
	(॥) अस्मिन् अवसरे बहुविधानि कानि दृश्यन्ते?
П.	पूर्णवाक्येन उत्तरत— (i) पुष्पोत्सवस्य आयोजनं कुत्र भवति?
	(ii) अत्र प्रमुखम् आकर्षणम् किम्?
III.	भाषिक-कार्यम्—
	1. यथा निर्देशम् रिक्तस्थानपूर्ति कुरुत। (i) अवसरे
	(ग्रं) उत्सवस्य
	(iii) पुष्पाणि
	 विलोमपदं चित्वा लिखत। परस्परमेलनं कृत्वा लिखत।
	(🕻) अस्मिन् आकर्षणम्
	(ii) बहुविधानि व्यजनानि (iii) प्रमुखम् पुष्पाणि
	(iii) प्रमुखम् पुष्पाणि (iv) पुष्पनिर्मितानि अवसरे
उत्तरम्	$oldsymbol{L}=\mathbf{I}.\;(i)$ ऑक्टोबरमासे, (ii) पुष्पाणि
	II. (i) पुष्पोत्सवस्य आयोजनं देहल्याः मेहरौलीक्षेत्रे भवति।
	(ii) अत्र प्रमुखम् आकर्षणम् अस्ति पुष्यनिर्मितानि व्यजनानि।
	III, 1. (i) अवसरेषु
	. (ii) उत्सवयो: उत्सवाम् (iii) पुष्पम पुष्पे
	(<i>iii</i>) पुष्पम पुष्पं ······ 2. तत्र
	3. (i) अस्मिन् अवसरे
	(ii) बहुविधानि पुष्पाणि (iii) प्रमुखम् आकर्षणम्
	(iv) पुष्पनिर्मितानि व्यजनानि
(2)	मञ्जूषायाः सहायतया गद्यांशं पूरयत। (मञ्जूषा की सहायता से गद्यांश पूरा कीजिए।
	Complete the extract with help from the box.)
	क्रीड्ाः, जनान्, उत्सवः, प्रचलित्, दिवसेषु LearnCBSE.in पुण्योतसयः
उत्तरम्−	LearnCBSE.in पुष्पोत्सवः अयम् दिवसत्रयम् यावत् अवितानि विBSE.in पतङ्गानाम् उद्दय्यनम्, विविधाः मल्लयुद्धम् चापि । विगतिभ्यः द्विशतवर्षेत्यः पृष्पोत्सवः
	प्रणोतसवः ॐ अयम् दिवसत्रयम् यावत् अञ्चलाग अञ्चलाग पत्रकानाम् उद्व्यनम्, विविधाः मल्लयुर्धम् चापि । विगतेभ्यः द्विशतवर्षेभ्यः पुष्पोत्सवः आनंदयति। (i) उत्सवः, (ii) दिवसेषु, (iii) क्रीडाः, (iv) प्रचलति, (v) जनान्। कोष्ठकदत्तशब्दे उचितां विभक्ति प्रयोज्य वाक्यानि पूर्यत। (कोष्ठक में दिए गए शब्दों में
	प्रणोतसवः ॐ अयम् दिवसत्रयम् यावत् अञ्चलागि अञ्चलाग पत्रकानाम् उद्हयनम्, विविधाः मल्लयुर्धम् चापि । विगतेभ्यः द्विशतवर्षेभ्यः पुष्पोत्सवः आनंदयति। (i) उत्सवः, (ii) दिवसेषु, (iii) क्रीडाः, (iv) प्रचलति, (v) जनान्। कोण्डकदत्तशब्दे उचितां विभक्ति प्रयोज्य वाक्यानि पूर्यत। (कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उचित विभक्ति का प्रयोग करके वाक्य पूरे क्रीजिए। Using the correct case ending in
	LearnCBSE.in पुष्पोत्सवः अयम् दिवसत्रयम् यावत् पुञ्जति। ति BSE:in पतङ्गानाम् उड्डयनम्, विविधाः मल्तयुर्धम् चापि । विगतेभ्यः द्विशतवर्षेम्यः पुष्पोत्सवः आनंदयति। (i) उत्सवः, (ii) दिवसेषु, (iii) क्रीडाः, (iv) प्रचलति, (v) जनान्। कोष्ठकत्तत्रशब्दे उचितां विधित्तंत प्रयोज्य वाक्यानि पूर्यत। (कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उचित विभित्तं का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए। Using the correct case ending in the word given in bracket, complete the sentences.)
(3)	स्वारित क्षिप्रकार के स्वारित का प्रयोग करके वाक्य पूरे की जिए। Using the correct case ending in the word given in bracket, complete the sentences.) (i) वालका:
(3)	स्वाति प्रशासिक प्रमासिक प्र
(3)	स्वारित क्षिप्रकार के स्वारित का प्रयोग करके वाक्य पूरे की जिए। Using the correct case ending in the word given in bracket, complete the sentences.) (i) वालका:
(3)	स्वस्तियम् यावत् अविता कि कि माणि पतङ्गानाम् उद्हयनम्, विविधाः मल्लयुद्धम् चापि । विगतेष्यः द्विशतवर्षेष्यः पुष्पोत्सवः आनंदयि। (i) उत्सवः, (ii) दिवसेषु, (iii) क्रीडाः, (iv) प्रचलितं, (v) जनान्। कोष्ठकतत्त्तप्राब्दे उचितां विभविंत प्रयोज्य वाक्यानि पूर्यता (कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उचित विभिन्ति को प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए। Using the correct case ending in the word given in bracket, complete the sentences.) (ii) बालकाः तरिन्ता (तप्णवाल – एकवचन) (iii) मयूराः — नृत्यन्ति। (उपवन – एकवचन) (iii) कमलानि शोभन्ते। (सरीवर – बहुवचन) (iv) — वानरः कूर्दीति। (वृक्ष – एकवचन)
<i>(3)</i> उत्तरम्-	स्वान स्वन
<i>(3)</i> उत्तरम्-	HearnCBSE.in प्रणोतसवः अयम्
<i>(3)</i> उत्तरम्-	स्वान स्वन
<i>(3)</i> उत्तरम्-	स्विमान पान स्वाप्त
(3) उत्तरम्- (4)	HearnCBSE.in प्रणोतसवः अयम्
(3) उत्तरम्- (4)	HearnCBSE.in पुष्पंतसवः अयम्
(3) उत्तरम्- (4)	स्विमायम् यावत् अविता किष्ठिः ात पतङ्गानाम् उद्हयनम्, विविधाः मल्लयुद्धम् चािष । विगतेष्यः द्विशतवर्षेष्यः पुष्पोत्सवः आनंदयति। (i) उत्सवः, (ii) दिवसेषु, (iii) क्रीडाः, (iv) प्रचलितं, (v) जनान्। कोष्ठकवत्त्तप्राव्ये उचितां विभवितं प्रयोज्य वाक्यानि पूर्यता (कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उचित विभवित का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए। Using the correct case ending in the word given in bracket, complete the sentences.) (ii) बालकाः तरिन्ता (तप्णवाल – एकवचन) (iii) मयुराः नृत्यित। (उपवन – एकवचन) (iii) ककमलािन शोधन्तो (सेवंद – बहुवचन) (iv) वानाः कृदीित। (वृक्ष – एकवचन) (iv) वानाः कृदीित। (गृह – बहुवचन) – (i) तप्णवालं, (ii) उपवने, (iii) सरोवरेषु, (iv) वृद्धे, (v) गृहेषु। संस्कृतपर्यांग्यं त्वित्वता (संस्कृत पर्याय त्विद्याः (त्वाः) (iii) बेल पर – (त्वाः) (iii) बेल पर – (त्वाः) (iii) बेल के मैरान में – (क्रिड्यां त्वां विद्यालय) (v) रोनों मार्गों में – (मार्ग) (ii) नीडेषु, (ii) लातायाम्, (iii) क्रीडांक्षेत्रे, (iv) विद्यालये, (v) मार्गथोः। (ख) (i) खेलते हैं। – (वस्) (ii) खेलते हैं। (दो)
(3) उत्तरम्- (4)	HearnCBSE.in अयम् दिवसत्रयम् यावते अविता विBSE.iii पतङ्कालाम् उद्वयनम्, विविधाः मल्लयुद्धम् चािष । विगतेभ्यः द्विशतवर्षेभ्यः पुष्पोत्सवः आनंदयितः (i) उत्सवः, (ii) दिवसेषु, (iii) कीडाः, (iv) प्रचलित, (v) जनान्। कोष्ठकवत्त्तप्राव्ये चितां विभिवतं प्रयोज्य वाक्यानि पूर्यता (कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उचित विभिवतं का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए। Using the correct case ending in the word given in bracket, complete the sentences.) (i) बालकाः तर्गना (उप्पतन – एकलचन) (ii) मयुगः नृत्यनि। (उपयन – एकलचन) (iii) मत्रयः कृत्वीति। (वृश्व – एकलचन) (iv) वानाः कृत्वीति। (वृश्व – एकलचन) (iv) वानाः वसनि। (गृह – बहुचन) – (i) तप्णताले, (ii) उपवने, (iii) सरोवरेषु, (iv) वृशे, (v) गृहेषु। सस्कृतपर्याप्यं विलखत। (सस्कृत पर्याय लिखिए। Give the Sanskrit equivalent.) (क) (i) भेंंसलं में – (लिता) (iii) बेल पर (लिता) (iii) वेल के नैदान में – (क्रिइश्वोते) (iv) विद्यालय में (विद्यालय) (v) दोनों मार्गों में – (मार्ग) (ii) नोडेषु, (ii) लतायाम्, (iii) क्रीइश्वेते, (iv) विद्यालये, (v) मार्गयोः! (iii) खेलते हैं। (वस्त) (iii) खेलते हैं। (विकस्त)
(3) उत्तरम् (4) उत्तरम्-	स्वित्तात्र व्यावत् विवास व्यावत् विवास विवास विवास विवास व्यावस्था विविधाः । विवास विवा
(3) उत्तरम्- (4) उत्तरम्-	स्वित्तेश्वर यावत विश्वति विश्व वि
(3) उत्तरम्- (4) उत्तरम्-	स्वित्तात्र व्यावत् विवास व्यावत् विवास विवास विवास विवास व्यावस्था विविधाः । विवास विवा
(3) उत्तरम्- (4) उत्तरम्-	स्विमायम् यावर् अविता किष्ठिः ात पतङ्गालाम् उद्दयनम्, विविधाः मल्लयुर्धम् चािष । विगतिष्यः द्विशतवर्षेष्यः पुष्णोत्सवः आनंदयति। (i) उत्सवः (ii) दिवसेषु (iii) कीडाः (iv) प्रचलित (v) जनान्। कोष्ठकतत्त्त्रशब्दे उचितां विपर्वित प्रयोण्य वाक्यानि पूर्यता (कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उचित विभिन्ति का प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए। Using the correct case ending in the word given in bracket, complete the sentences.) (i) बालकाः तर्गना (उपणात — एकवचन) (ii) मयुषः — नृत्यनि। (उपवन — एकवचन) (iii) मतुषः — नृत्यनि। (उपवन — एकवचन) (iv) वानाः कृदीति। (वृक्ष — एकवचन) (iv) वानाः कृदीति। (वृक्ष — एकवचन) (v) जनाः — वसन्ति। (गृह — बहुवचन) — (i) तपणताले, (ii) उपवने, (iii) सरोवरेषु, (iv) वृद्धे, (v) गृहेषु। संस्कृतपर्याप्यं तिखता (संस्कृत पर्यायं तिखिष्णः Give the Sanskrit equivalent.) (क) (i) भेंसलों में — (तिहा) (ii) बेल पर — (तिहा) (iii) बेल पर — (तिहा) (iii) वेवद्यालय में (जिद्यालय) (v) रोनों मागों में — (पान) (i) नीडेषु, (ii) लतायाम्, (iii) क्रीडाक्षेत्रे, (iv) विद्यालये, (v) मार्गयोः। (ii) खेलते हैं। (विकस्। (विकसः। (विकसः) (विवस्ताः) (विवस्ताः) (विवस्ताः) विवस्ताः, (iii) विकसितः, (iii) प्रमावः, (v) पठथः। (i) वसनित् (ii) खेलतः, (iii) विकसितः, (iii) प्रमावः, (v) पठथः। (i) वसनित् (ii) खेलतः, (iii) विकसित्।, (iii) प्रमावः, (v) पठथः।
(3) उत्तरम्- (4) उत्तरम्-	स्विमान स्वाप्त स्वा

LearnCBSE.in

4. मैं पढ़नेकेलिए जि⊛ँस rnCBSI ↓ ↓ ↓	≣.in
5. क्या तुम हवाई जहाज से जार	हे हो?
. ↓ ↓ ↓	\downarrow
उत्तरम्- 1. छात्रा विद्यालये पटन्ति।	
2. ते उद्याने भ्रमन्ति।	
3. जना: पर्यटनाय गच्छन्ति।	
4. अहं पठनाय गमिष्यामि।	
किम् त्वम् वायुयानेन गच्छिसः?	
बहुविकल्यीयप्रप्रनाः	
(1) उचितं विकल्पम् चित्वा वाक्यपूर्ति कुरुता (उचित विकल्प च	नकर वाक्यपर्ति कीजिए। Pick
out the correct option and complete the sentences.	
(क) <i>(i)</i> अङ्गानि सन्ति।	(शरीरम्, शरीरे, शरीराणि)
(ii) छात्राः "" प्रयोगम् कुर्वन्ति। (प्रयोगशालाम्	
(iii) उद्यमेन सिध्यन्ति।	(कार्याः, कार्यम्, कार्याणः) (कार्याः, कार्यम्, कार्याणः)
(iv)	(काषाः, काषम्, काषाण) (गृहम्, गहे, गृहेण)
(v) त्वम्गच्छितः?	(गृहन्, गह, गृहण) (स्तानम्, स्ताने, स्तानाय)
उत्तरम्- (i) शरीरे, (ii) प्रयोगशालायाम्, (iii) कार्याणि, (iv) गृ	हे, (v) स्नानाय।
(ख) (i) " भ्रमरा: गुञ्जन्ति।	(पुष्पाणि, पुष्पाणाम्, पुष्पेषु)
(ii) मार्गेचलिन्त।	(वाहनम्, वाहने, वाहनानि)
(iii) कृषका: "" कार्य कुर्वन्ति।	(क्षेत्राणि, क्षेत्रेषु, क्षेत्रम्)
(iv) देवालयेषु घण्टानाद:।	(भवति, भवतः, भवन्ति)
(v) वयम् विमानेनगिमष्यामः।	(विदेश, विदेशेन, विदेशम्)
उत्तरम् – (i) पुष्पेषु, (ii) वाहनानि, (iii) क्षेत्रेषु, (iv) भवति, (i	्) विदेशम्।

LearnCBSE.in

********* END ********